राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1105

27 दिसंबर, 2017 को उत्तर के लिए

घरेलू रूप से उत्पादित लौहा एवं इस्पात को प्राथमिकता दिया जाना

1105. श्री एन. गोकुलकृष्णनः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने लौहा एवं इस्पात उद्योग, जो चीन से होने वाले सस्ते आयातों के दबाव की शिकायत करता आ रहा है, को बढ़ावा देने के लिए सरकारी खरीद में घरेलू रूप से उत्पादित लौहा और इस्पात को प्राथमिकता देने का निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि सस्ते आयात और मांग में कमी ने भी कई इस्पात कंपनियों की आमदनी को प्रभावित किया है जिन्हें इसके परिणामस्वरूप ऋण का भुगतान करने में कठिनाई हो रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क) और (ख): सरकार ने दिनांक 08 मई, 2017 को सरकारी खरीद में घरेलू निर्मित लोहा और इस्पात उत्पादों को वरीयता प्रदान करने की नीति को अधिसूचित किया है। इस नीति के अंतर्गत सरकारी खरीद में न्यूनतम निर्धारित मूल्यवर्द्धन वाले विशेष माल को वरीयता देने का प्रावधान किया गया है।

(ग) और (घ): वर्ष 2014-15 में वैश्विक स्तर पर मंदी आने और वैश्विक स्तर पर क्षमता की अत्यधिक उपलब्धता होने के परिणामस्वरूप इस्पात की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी आई है। क्षमता की अत्यधिक उपलब्धता होने वाले देशों में इस्पात उत्पादकों ने अपने उत्पादों की डंपिंग करने का सहारा लिया है। जनवरी, 2014 और मार्च, 2016 के बीच इस्पात की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में लगभग 35% की कमी आई है। भारत में फिनिश्ड इस्पात के आयात में वर्ष 2014-15 में 71% की वृद्धि और 2015-16 में 26% की पुनः वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) हुई है। इस प्रकार के आयातों और कम कीमतों ने इस्पात के कुछेक घरेलू उत्पादकों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया था जिससे उनकी ऋण चुकाने की क्षमता भी प्रभावित हुई है।

****